पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने 'उ0प्र0 इन्वेस्टर्स समिट–2018' के तहत विभिन्न कम्पनियों के सीईओज़ को सम्बोधित किया

उत्तर प्रदेश को पूंजी निवेश और उद्योगों की स्थापना के लिए उपयुक्त सम्भावनाओं वाला प्रदेश : मुख्यमंत्री

राज्य आने वाले समय में विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में बड़ी भूमिका का निर्वहन करने जा रहा है

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से अपने प्रस्तावों और सुझावों के साथ खुले मन से उद्योग स्थापना और पूंजी निवेश की दिशा में कार्यवाही करने का आह्वान किया

वर्तमान सरकार ने पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ प्रशासनिक सुधार की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है

नीतिगत निर्णयों तथा नयी उद्योग नीति से प्रदेश में उद्योग स्थापना और पूंजी निवेश के लिए सकारात्मक वातावरण बना है

नई उद्योग नीति से संतुलित व समावेशित आर्थिक विकास सुनिश्चित होगा

राज्य सरकार समुचित व सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध

प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग स्थापना और रोजगार मुहैया कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता

जनपदों में पारम्परिक शिल्पों एवं लघु उद्यमों के संरक्षण तथा रोजगार प्रदान करने के लिए 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' योजना लागू की गई है

ईको, हेरिटेज और वाइल्ड लाइफ टूरिज्म को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने 'उ0प्र0 पावरिंग न्यू इण्डिया : इन्वेस्टमेण्ट अपॉर्चुनिटीज़ अबाउण्ड' बुकलेट का विमोचन किया

लखनऊ : 21 फरवरी, 2018

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश को पूंजी निवेश और उद्योगों की स्थापना के लिए उपयुक्त सम्भावनाओं वाला प्रदेश बताते हुए कहा है कि यह राज्य आने वाले समय में विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में बड़ी भूमिका का निर्वहन करने जा रहा है। उन्होंने निवेशकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने प्रस्तावों और सुझावों के साथ खुले मन से उद्योग स्थापना और पूंजी निवेश की दिशा में कार्यवाही करें। इस कार्य में आने वाली हर समस्या का सकारात्मक रुख के साथ समाधान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी आज यहां इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट–2018' के तहत विभिन्न कम्पनियों के सीईओज़ को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इन्वेस्टर्स समिट के बाद पूंजी निवेश के सम्बन्ध में राज्य सरकार पर आने वाली जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए कहा कि अब हमारे सामने एक चुनौती है, जिसके लिए सुधारात्मक कदम उठाते हुए हर सम्भव समाधान सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 11 महीनों के कार्यकाल के दौरान वर्तमान सरकार ने पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ प्रशासनिक सुधार की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। ठोस और निर्णायक कदम उठाते हुए पूंजी निवेश और औद्योगिक विकास की दिशा में कार्यवाही की है।

योगी जी ने कहा कि अल्प समय में वर्तमान सरकार के प्रयासों का लाभ दिखने लगा है। 'ईज ऑफ डूईंग बिजनेस' में उत्तर प्रदेश का नाम आगे बढ़ा है। अभी तक लागू सिंगल विण्डो सिस्टम को वर्तमान सरकार ने डिजिटल क्लीयरेंस के साथ जोड़ा है, जिसका परिणाम निवेश मित्र पोर्टल का लागू होना है। औद्योगिक इकाइयों से सम्बन्धित स्वीकृतियों, अनुमोदनों, अनुमतियों तथा लाइसेंसों की ऑनलाइन सुविधा एक छत के नीचे इस प्रणाली के द्वारा की जाएगी, जिसकी मॉनीटरिंग सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से होगी।

योगी जी ने कहा कि वर्तमान सरकार के नीतिगत निर्णयों तथा नयी उद्योग नीति से प्रदेश में उद्योग स्थापना और पूंजी निवेश के लिए सकारात्मक वातावरण बना है। इस उद्योग नीति से संतुलित व समावेशित आर्थिक विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि कानून–व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। राज्य सरकार समुचित व सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्व की सरकारों के कार्यकाल में व्याप्त असुरक्षा का माहौल व प्रशासनिक मकड़जाल निवेश में बाधक था, इसे दूर कर सुरक्षा का बेहतर वातावरण और प्रक्रिया का सरलीकरण किया गया है। अपराधी पलायन कर रहे हैं। उद्योगों का आगमन हो रहा है। अपराध और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है। कानून व्यवस्था के मामले में राज्य सरकार की नीति जीरो टॉलरेन्स की है। यूपी पुलिस डायल–100 को और सुदृढ़ बनाया जा रहा है। आने वाले समय में इसका रिस्पांस टाइम 15 मिनट से घटकर 10 मिनट का होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आबादी और क्षेत्रफल के हिसाब से उत्तर प्रदेश एक विशाल राज्य है। देश का हर छठवां निवासी उत्तर प्रदेश में बसता है। इस प्रदेश में जनसंख्या के लिहाज से नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है। प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग स्थापना और रोजगार मुहैया कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। यह प्रदेश देश का सबसे बड़ा बाजार भी है। मैन्युफैक्चुरिंग सेक्टर में देश के पांच बड़े प्रदेशों में से एक उत्तर प्रदेश भी है। देश में खाद्यान्न उत्पादन में प्रदेश का प्रतिशत 17.5 है। हम गेहूं के उत्पादन में प्रथम पर हैं। गन्ने के कुल उत्पादन का 41 प्रतिशत और आलू

का 29 प्रतिशत भाग उत्तर प्रदेश का है। पशुधन में हम प्रथम स्थान पर है। दूध का उत्पादन 17 प्रतिशत है। गेहूं उत्पादन के मामले मे राज्य का शीर्ष स्थान है। सब्जियों के उत्पादन में दूसरा व फलों में तीसरा स्थान है। आम व आंवला उत्पादन यहां सर्वाधिक है। अमरूद उत्पादन में राज्य का तीसरा स्थान है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी राज्य में असीमित सम्भावनाएं हैं। यहां से 16 हजार 400 करोड़ रुपए का सॉफ्टवेयर निर्यात किया जाता है।

योगी जी ने कहा कि देश के 99 शहरों को स्मार्ट सिटी के रूप में चयनित किया गया है, जिनमें से सर्वाधिक 10 स्मार्ट सिटी उत्तर प्रदेश के है। राज्य में सबसे अधिक नगर निकाय हैं। यहां 16 नगर निगम, 199 नगर पालिकाएं तथा 338 नगर पंचायतें हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति के अन्तर्गत विभिन्न सेक्टर्स में विभिन्न नीतियां बनायी गयी हैं। इस बात पर फोकस है कि उद्योगों की स्थापना का सीधा सम्बन्ध रोजगार सृजन से हो।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के जनपदों में पारम्परिक शिल्पों एवं लघु उद्यमों के संरक्षण के लिए तथा उसमें अधिक से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने एवं उनकी आय में वृद्धि के लिये 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' योजना लागू की जा चुकी है। इस योजना के तहत विभिन्न जनपदों के चयनित स्थानीय उत्पादों के लिए मार्केटिंग, तकनीकी उन्नयन, कौशल एवं उद्यमिता प्रशिक्षण तथा आसान ऋण की सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। राज्य सरकार द्वारा स्टार्टअप नीति लायी गयी है। यह नीति विभिन्न औद्योगिक सेक्टर में इनोवेशन के लिए एक मजबूत धरातल नए उद्यमियों को प्रदान करेगी।

योगी जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे तथा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे के निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। इससे प्रदेश में आवागमन की सुविधा और अच्छी हो जाएगी। स्टेट हाइवेज़ को तेजी से सुदृढ़ और विकसित किया जा रहा है। 1300 हाइवेज फोर–लेन में परिवर्तित किए जाएंगे। आगरा–चित्रकूट एक्सप्रेस–वे पर डिफेन्स कॉरिडोर के सम्बन्ध में प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यमुना एक्सप्रेस–वे के तहत क्लस्टर के रूप में विकसित हो रहे उद्योगों के माध्यम से भविष्य में एक लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। राज्य में 6 एयरपोर्ट हैं। रीजनल कनेक्टिविटी के माध्यम से हम जनपदों और मण्डल मुख्यालयों को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। जेवर तथा कुशीनगर में इण्टरनेशनल एयरपोर्ट बनाए जाने की कार्यवाही प्रगति पर है।

वैकल्पिक उर्जा के क्षेत्र में सम्भावनाओं की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सौर उर्जा के क्षेत्र में 2 हजार मेगावाट का विद्युत उत्पादन किए जाने की कार्य योजना

प्रारम्भ की जा चुकी है। इसी प्रकार पर्यटन के क्षेत्र में विभिन्न पर्यटन सर्किट विकसित किये जा रहे हैं। हेरिटेज टूरिज्म के क्षेत्र में भी तेजी से कार्य चल रहा है। आगरा, सोनभद्र, झांसी और चुनार जैसे जनपदों को इनके तहत विकसित किया जा रहा है। ईको टूरिज्म और वाइल्ड लाइफ टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य को रेडीमेड गारमेण्ट्स के क्षेत्र में हब के रूप में विकसित किए जाने की चर्चा करते हुए योगी जी ने कहा कि टेक्सटाइल उद्योग से बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तथा ईस्टर्न डेडिकेटेड कॉरिडोर का अधिकांश भाग उत्तर प्रदेश से गुजरता है, इनके माध्यम से राज्य में उद्यमियों को सुविधाएं उपलब्ध होंगी। रेल नेटवर्क का 9 हजार किलोमीटर उत्तर प्रदेश में है, इसका लाभ भी उद्यमियों को मिलेगा। गाजीपुर को एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इलाहाबाद–हल्दिया इनलैण्ड वाटर वेज की सुविधा भी शीघ्र ही पूरी होगी। इसी प्रकार आई0टी0 पार्क, मेगा फूड पार्क, इण्डस्ट्रियल टाउनशिप, लॉजिस्टिक इन्फ्रास्ट्रकचर के क्षेत्र में भी कार्य किया जा रहा है।

इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने 'उत्तर प्रदेश पावरिंग न्यू इण्डिया : इन्वेस्टमेण्ट अपॉर्चुनिटीज़ अबाउण्ड' बुकलेट का विमोचन किया। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त श्री अनूप चन्द्र पाण्डेय ने सीईओ सेशन में विषय का प्रस्तुतिकरण किया। बड़ी संख्या में विभिन्न कम्पनियों के सीईओ तथा प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री जी के समक्ष अपने सुझाव व प्रस्ताव रखे। इनमें त्रिवेणी इंजीनियरिंग के श्री तरुण साहनी, इलेक्ट्रिक वेहकिल के क्षेत्र में कार्य कर रहे श्री निशान्त आर्य, डिफेन्स के क्षेत्र में बुलेटप्रूफ जैकेट के उत्पादन से जुड़े श्री वैभव गुप्ता, डेरी उद्योग से जुड़े श्री तरुण अग्रवाल, स्टार्टअप से जुड़े श्री मुनिन्दर गुलाटी व श्री सुप्रीत सिंह, सस्ती ऊर्जा के उत्पादन के क्षेत्र में कार्य कर रहे श्री महाबली अडिग, लोहिया कॉर्पोरेशन के श्री राजकुमार लोहिया, क्लीन एनर्जी के क्षेत्र से जुड़ी सुश्री रंजीता शामिल थे।

मुख्य सचिव श्री राजीव कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि राज्य सरकार सीईओज़ द्वारा दिए गए सुझावों एवं प्रस्तावों पर गम्भीरता से विचार करेगी। उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने सभी सीईओज़ से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने पूंजी निवेश और उद्योग स्थापना की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं और इनके लिए सकारात्मक वातावरण बनाया है। नगर विकास विभाग के सलाहकार श्री केशव वर्मा ने भी सीईओज़ को सम्बोधित किया।

इस अवसर पर औद्योगिक विकास राज्यमंत्री श्री सुरेश राणा एवं शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

———————

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 21 फरवरी, 2018 को लखनऊ में 'उ0प्र0 इन्वेस्टर्स समिट–2018' के तहत विभिन्न कम्पनियों के सीईओज़ को सम्बोधित करते हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 21 फरवरी, 2018 को लखनऊ में 'उ0प्र0 इन्वेस्टर्स समिट–2018' के तहत विभिन्न कम्पनियों के सीईओज़ को सम्बोधित करते हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 21 फरवरी, 2018 को लखनऊ में 'उ0प्र0 इन्वेस्टर्स समिट–2018' के तहत आयोजित सीईओज़ सेशन के दौरान 'उत्तर प्रदेश पावरिंग न्यू इण्डिया : इन्वेस्टमेण्ट अपॉर्चुनिटीज़ अबाउण्ड' बुकलेट का विमोचन करते हुए।